

17.10.2015

कुलाप ... वास्थतः पु माहः गा देवः सि .
पेपकवे ... पत्रावली ...
... 98 ... बिना ... 22.2.2015
... 2

22.12.2015

कुलाप ... वास्थतः पु माहः ...
पेपकवे ... पत्रावली ...
... 98 ... बिना ... 22.2.2015
... 2

23.2.2016

पत्रावली पेरा दुर्ग / वहीच वरी उपस्थित नहीं
वहीच वरी व वरी हव्यं को आ-आर आनाप
लगानी छिरी हाजिर नहीं। बाद वरी अउमपे(र)-
व अउक हाजरी में छोड़ि जिया जाता है। पत्रावली
नाम से काम की जाकर नाउ लक्षीक लक्ष्मील
जाया हाजिल दफतर हो।
m

